SJIF 2016 = 4.44
ISSN: 2348-3083
An International Peer Reviewed & Referred
SCHOLARLY RESEARCH JOURNAL FOR
HUMANITY SCIENCE & ENGLISH LANGUAGE

'khr ;q) lekfIr d i'pkr fo'o e xqV fujis{k vkUnksyu dh Hkfedk

foood ;kno, **Ph. D.**

jktuhfr foKku foHkkx, l.V t-ch-,e- dky t] ekMb] f'kdksgkckn ¼m0iz0½

Scholarly Research Journal's** is licensed Based on a work at **www.srjis.com

प्रस्तुत भाk/k i= ^f}rh;d rF;k* ij vk/kkfjr fd;k x;k gA ^xqV fujis{k* l vk" ाय विभिन्न भाक्ति xqVk l rVLFk@vyx jgr g, Lor= fon" ा नीति और राश्ट्रीय हित के अनुसार 'न्याय' का समर्थन करना है। एवं न्याय का अर्थ 'उचित आचार' अर्थात् उपयुक्त व उचित को बनाए रखने के लिए भाक्ति dk i;kx djuk gA bl idkj ^U;k;* dk vk" k; ^mfpr dh LFkkiuk* djuk gA ^U;k;* (Justice) भाब्द लैटिन भाशा के भाब्द 'Justillia' l 0;RiUu g ftldk vFk g foood d vuqlkjA vLrq ^U;k;* dk vk" k; foodi.k ;k foodkuqlkj vkpj.k djuk gA[1] xqV fujis{krk dh uhfr dk loiFke 0;kogkfjd :i nu dk J; भारत को ही है। 28 अप्रैल 1960 को राश्ट्रीय रक्षा कालेज, देहरादून के viu lEcks/ku e rRdkyhu i/kkueU=h i- ug: u dgk Fkk ^geu fo" व के प्रति एक नया दृश्टिकोण fodflr dju dk i;kl fd;k g ftl ^xqV fujis{krk* ¼vlyXurk½ vFkok ,lk gh dkbZ vU; uke fn;k tk ldrk gA bl uhfr dk tUe dkbZ vkdfLed ?kVuk ugh g Lor=rk d lkFk&lkFk vud वर्शों से इसका विकास होता रहा है। gekj fopkj vkj Hkkxkfyd fLFkfr d dkj.k bldk tUe gkuk LokHkkfod o vo" ;EHkkoh FkkA**[2] 'गुट निरपेक्षता' जिसका भाब्दिक अर्थ 'तट पर खड़ jguk vkj e>/kkj e dn iMuk* gA ^vkD lQkMZ fMD"kujh* e bldh 0;k[;k bl idkj dh x;h g fd ^,d ,lk 0;fDr tk nkMu oky 0;fDr;k e l fdlh dh lgk;rk u djA**[3] bl idkj ^xqV fujis{krk* dk ekfyd vFk g fdlh jkT; d }kjk fo" o ekeyk e feyh uhfr@dk;okgh dk Lor=rk d n< dne mBkuk] tk fo" ाशतः साम्यवादी तथा पf" चमी दोनों भीतयुद्धीय गुटों की नीतियों तथा स्थितियों के सन्दर्भ में है। यह 'नीति' राश्ट्रों की बढ़ती हुई परस्पर निर्भरता की द" kkvk e उन राश्ट्रों द्वारा अधिकाधिक स्वतंत्रता–प्राप्ति d fy, vf/kdre i;kl dk ifrfuf/kRo djrh g] tc कोई राश्ट्र अपने गुट के समर्थन अथवा विरोध में मत प्रद" kr djrk gA yfdu fHkUu vFk e fofHkUu विचारधाराओं एवं व्यवस्थाओं का भाान्तिपूर्ण सह–अस्तित्व (Peaceful Co-existance) Hkh gA pfd भीतयुद्ध काल में 'गुट निरपेक्षता की नीति' तटस्थता कहलाती रही है, भाायद उसका यह नाम ही सही

gA[4] xV fuji{krk dk tkt cxj ,l-[5] ¼2011½ ने स्पश्ट करने हेतु 6 अर्थों [vyxkookn (Isolationism)] vifrc)rk (Non-Commitment)] rVLFkrk (Neutrality)] ,di{kokn (Uni-lateralism)] vlyXurk (Non-involvement) rFkk rVLFkhdj.k (Neutralisation)] e 0;Dr djr g, mldh 0;k[;k dh gA

mYy[kuh; g fd f}rh; fo" o ;) u mu ifjfLFkfr;k dk lekIr dj fn;k ftu in 19oh भाताब्दी की अन्तर्राश्ट्रीय व्यवस्था आधारित थी। इस युद्ध के प" pkr fo" o e ftl u;h ljpukRed व्यवस्था का उदय हुआ; उसका अन्तर्राश्ट्रीय राजनीति पर प्रत्यक्ष व गहरा प्रभाव पड़ा; जिसने वि" o dk iufuर्माण कर अन्तर्राश्ट्रीय राजनीति में नयी प्रवृत्तियों का विकास करके नए अन्तर्राश्ट्रीय सम्बन्धों का Lo:i fuEuor mtkdj fd;k[6]&

¼1½ lkekT;okn rFkk mifuo" kokn का अन्त हुआ क्योंकि यूरोपीय साम्राज्यवादी भाक्तियाँ जो पराजित हो गयीं, वहाँ राश्ट्रीय ljdkj LFkkfir gk x;hA lkfc;r :l dh lkE;oknh fopkj/kkjk l Hkh lkekT;okn o mifuo" kokn dk {kfr gb(lEifr] lu 1945 d i" pkr से राश्ट्रीय राजनैतिक चेतना जागृत हुई।

¼2½ lu 1945 d i" चात साम्यवाद के उत्कर्श में अप्रत्याि" kr of) gb ftll ioh ;jki d fofHkUu n" kk ;Fkk% :ekfu;k] gxjh] cYxkfj;k] ;xkLykfo;k] vYokfu;k] iky.M] pdkLykokfd;k vkj ioh teuh e lkE;oknh ljdkjk dh LFkkiuk gbA vkj mRrjh dkfj;k व वियतनाम में भी भाासन की बागडोर साम्यवादियों के हाथों आ जाने से वि" o dk ,d cMk भाग साम्यवादी भाासन व्यवस्थान्तर्गत आ गया।

¼3½ f}rh; fo" o ;) u lEi.k fo" o dk nk xVk e ckV fn;k] ftll :l] fo" o e i.kr% vyx Fkyx ¼vdyk½ iM x;k vFkkr f}rh; fo" o ;) d i" pkr fLFkfr i.kr% cny x;h] vkj ithoknh nfu;k dk urRo vefjdk d gkFkk e pyk x;k(ftll vefjdk dh आर्थिक और सैन्य भाक्ति प्रबल हो गयी। उदार साम्यवादी दे" kk dk urRo :l d gkFkk e आ जाने से रूस की सैनिक व राजनैतिक भाक्ति व प्रतिश्ठा भी बढ़ x;h D;kfd mlu ^ijek.k ce* cuk fy,A ftll ithoknh n" k Mju yx fd dgh :l d iHkko l fo" o e साम्यवाद न फैल जाय; अतः उनमें तनाव बढ़ता गया। सम्प्रति, दो स्पश्ट पृथक गुटः रूस ¼lkE;oknh n" kk½ rFkk vefjdk ¼ithoknh n" kk½ cu x, ftll bud chp ifrLi/kk o संघर्श की परिस्थितियाँ जनित हो जाने के फलस्वरूप '" khr ;)* ikjEHk gk x;kA

¼4½ भीत युद्धेत्तर वि" o e vk.kfod vL= " kL=k dk fuek.k gku yxkA vefjdk u ijek.k ce dk iFke i;kx ¼6 vxLr 1945½ tkiku d ghjkf" kek rFkk ukx" kkdh uxjk ij fd;k

जिससे भीत युद्ध के वातावरण में अनुभूति की गयी कि आगामी वि" o ;) Hk;dj vkj fouk" kd vk.kfod ;) gkxkA tuojh 1991 e [kkMh ;) d le; Hkh vk.kfod ;) dk खतरा जनित हुआ, और अन्ततः आणविक शस्त्रों के सन्दर्भ में परम्परागत अन्तर्राश्ट्रीय jktufrd 0;oLFkk dh ljpuk gh ifjofrr gk x;hA

¼5½ ftl idkj iFke fo" o ;) l fo" व को बचाने के लिए 'राश्ट्र संघ' की स्थापना हुई, उसी idkj f}rh; fo" o d i" चात 'संयुक्त राश्ट्र संघ' की स्थापना की गयी ताकि निकट भविश्य e dkb ;) u gkA

¼6½ 1945 d i" pkr foKku ,o rduhdh {k=kU rxr rho of) gku d dkj.k egk" kfDr;k dh संख्या में निरन्तर कमी होती गयी। भीत युद्ध के बाद इन भाक्तियों ने स्वयं को दो गुटों में lEc) dj fy;k ftll fo" o jktuhfr f}/koh; (Bipolar) gk x;h ftle ,d xV dk urRo ^l;Dr jkT; vefjdk* vkj nlj xV dk urRo ^lkfc;r :l* u fd;kA

¼7½ विगत कुछ वर्शों से अन्तर्राश्ट्रीय वि" व 'द्वि–ध्रुवीय' से भानैः भानैः बहु केन्द्रवाद (Multi-centerism) dh vkj vxlj gA lu 1964 e v.kce rFkk lu 1967 e gkbMk tu ce dk fuek.k djd lkE;oknh phu(fo" o urRo d fy, vefjdk o lkfc;r :l dk ifr}U}h बन गया। सन् 1970 तक तीन राश्ट्रों के सम्बन्ध अन्तर्राश्ट्रीय राजनीति में 'एक वि" kky त्रिकोण' का रूप धारण करने लगे जो 19वीं भाताब्दी के भाक्ति सUryu 0;oLFkk ij vk/kkfjr fo" o jktuhfr dh ;kn fnykrh gA oreku e ,f" k;k e Hkkjr] phu rFkk tkiku ,d भाक्ति केन्द्र हैं जो वि" व के भाक्ति सन्तुलन को किसी भी ओर मोड़ देने में सक्षम हैं।

¼8½ ^rrh; fo" o* (Third World) dk c<rk egRo Hkh f}rh; fo" o ;) d ckn fu.kk;d Hkfedk e gk x;k gA rrh; fo" व के नवोदित राश्ट्र अविकसित o NkV gku d ckn Hkh अपनी संख्या भाक्ति के कारण U.N.O. e vge Hkfedk fuokg djr g fQj Hkh egkl Hkk e fodkl" ील राश्ट्र निर्णय–प्रक्रिया को प्रभावित करने की स्थिति में हैं।

¼9½ संयुक्त राश्ट्र संघ का बढ़ता परिवार भी वि" o jktuhfr dk iHkkfor dj jgk gA oreku e u केवल 'संयुक्त राश्ट्र संघ' की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है अपितु अन्तर्राश्ट्रीय राजनीति में उनकी lfØ;rk e Hkh of) gb gA

¼10½ xV fuji{krk dh lfØ; Hkfedk Hkh vc c< x;h gA f}rh; egk;) d mijkUr tc u, सम्प्रभु राश्ट्रों का जन्म हुआ तो उनमें vf/kdk" ातः ने अपने आपको भीत युद्ध की खींचतान से fuji{k j[ku dk fu.k; fy;k(ftldh vxvkb Hkkjr u dh vkj xV fuji{krk dh vkokn cyUn dhA f}rh; egk;) d ckn fo" o e nk egku " kfDr;k ¼:l&vefjdk½ jg x;h

ftud vkilh lEcU/kk dk vfHkO;fDr dju d लिए उपयुक्त भाब्द है: ‘‘” khr ;) ** **(Cold War)***A[7] bस भीत युद्ध क fuEu ldkjkRed iHkko Hkh iM % ¼1½ भीत युद्ध के कारण गुट निरपेक्ष आन्दोलन को प्रोत्साहन मिला और तीसरी दुनिया के राश्ट्रों को उपनिवे” kokn l lgh ek;u e efDr feyh] ¼2½ भीत युद्ध के कारण भाान्तिपूर्ण सह&vfLrRo dk ikRlkgu feyk] ¼3½ भीत युद्ध के कारण तकनीकी और प्राविधिक उन्नति हुई और वि” ोश रूप से आणविक भाक्ति d fodkl e rhork vk;h] ¼4½ संयुक्त राश्ट्र संघ में निर्णय भाक्ति सुरक्षा परिशद के स्थान पर egklHkk dk gLrkfUrjr gk x;h] ¼5½ राश्ट्रों की विदे” k uhfr e ;FkkFkokn dk vkfoHkko gvk] ¼6½ भीत युद्ध से भाक्ति सन्तुलन की स्थापना हुई।

---

* Mk- ,e-, l- राजन ने इसको परिभाशित करते हुये लिखा है–

^”khr ;)* भाक्ति संघर्श की राजनीति को मिला जुआ परिणाम है दो विरोधी fopkj/kkjkvk d संघर्श का परिणाम है, दो प्रकार की परस्पर विरोधी पद्धतियों का iरिणाम है, विरोधी चिन्तन पद्धतियों और संघर्श पूर्ण राश्ट्रीय हितों की अभिव्यक्ति है, ftudk vuqikr le; vkj ifjfLFkfr;k d vuqlkj ,d nlj d ijd d :i e cnyrk jgrk gA tokgj yky ug: d vuqlkj& ^^”ीत युद्ध पुरातन भाक्ति सन्तुलन की अवधारणा का नया रूप है। यह दो विचारधाराओं का संघर्श न होकर दो भीमाकार भाक्तियों का आपसी संघर्श है।’’

yqbl gky **(Louis Halle)** u viu iqLrd **The Coldwar as History (1967)** e परिभाशित करते हुये लिखा g ^^”khr ;) ijek.kq ;qx e ,d ,lh rukoiw.k fLFkfr g जो भास्त्र युद्ध से एक दम भिन्न किन्तु उससे अधिक भयानक युद्ध है यह एक ऐसा युद्ध है जिसने अन्तर्राश्ट्रीय समस्याओं का समाधान करने के स्थान पर उन्हें उलझा दिया। वि”o d lHkh n”k vkj lHkh leL;k;s pkg og fo;ruke gk pkg d”ehj ;k dkfj;k gk अथवा अरब–इजराइल संघर्श हो– सभी भीत युद्धों में मोहरों की तरह प्रयुक्त किये गये।’’ वस्तुतः भीत युद्ध वास्तविक युद्ध नहीं था वल्कि युद्ध का वातावरण थाA नेहरू के भाब्दों में भीत युद्ध का वातावरण निलम्बित मृत्यु दण्ड के वातावरण **(Some Kind of Suspended Death Sentence)** d leku rukoiw.k FkkA ;g xje ;) l Hkh Hk;kud ;) Fkk D;kfd ;g fpUru] Hkkoukvk ,o eukoxk ij ifrdwy iHkko Mkyrk Fkk ftlu vUrrkxRok vf”ाश्ट एवं असम्भव आचरण को जन्म दिया।

संक्षेप में भीत युद्ध के प्रमुख y{k.k bl idkj g&

1- **भीत युद्ध** nks fl)kUrks dks ugha **cल्कि दो भीमाकार भाक्तियों सोबि**;r l?k vkj **अमेरिका का संघर्श था।**

2- **भीत युद्ध में प्रचार का महत्व था यह वाद** ;q) FkkA

3- **भीत युद्ध में दोनों महा**"kfDr;k¡ 0;kid iszpkj] xqIrpjh] lSfud gLr{ksi] lSfud lfU/k;ka rFkk iz'kklfud lxBuks dh LFkkiuk djds viuh fLFkfr dks lqn`< djus e yxh jghA

4- nksuks f"**ाविरों के मध्य तनावपूर्ण सम्बन्धों की स्थिति को भीत युद्ध कहा गया यह गरम** ;q) ls Hkh Hk;kud FkkA

5- **इसे मस्तिश्क में युद्ध के विचारों को प्रथम देने वाला युद्ध** dgk x;kA

यह भीत युद्ध अधिक प्रभावी नहीं रहाA lu 1917 ls ikjEHk gkdj pje lhek rd igpdj 1989 में देतान्त रूप में आ गया; और भीत युद्ध के मूल कारणों की समाप्ति हो गयी।[8] ;g भीत युद्ध dh lekIr gh ifj.kke Fkk fd [kkMh ladV ¼1989&90½ d le; lkfc;r l?k vkj vefjdk u feydj lj{kk iLrkok dk leFku fd;kA bl uohu ifjorlu dk ruko **भौथिल्य/दितान्त*** **(Detente)** uke ls tkuk tkrk g ftld ''**अन्तर्राश्ट्रीय राजनैतिक व्यवस्था**'' ij iMu oky iHkko fuEuor g&

¼1½ सोवियत संध– अमरीकी तनाव भौथिल्य ने भीत युद्ध के तनाoi.k okrkoj.k dk lekIr fd;kA

¼2½ भास्त्रीकरण की आपसी होड़ को सीमित किया।

¼3½ संयुक्त राश्ट्र संघ के कार्य को आसान बनाया।

¼4½ ijek.kq ;q) d vkrd ls ekuo lenk; dk eDr fd;kA

¼5½ विरोधी विचारधाराओं वाले राश्ट्रों में परस्पर सokn rFkk ey feyki dk xfr inku dh rFkk अन्तर्राश्ट्रीय राजनैतिक व्यवस्था में परिवर्तन की भाुरूआत हुई।

¼6½ f}rh; fo"o ;q) d ckn fo"o jktuhfr d e/; lg;kx vkj e=hi.k lEcU/kk dk fodkl vkjEHk gvkA

¼7½ दितान्त सम्बन्धों की भाुरूआत से पूर्वी और पf" peh ;jki d n"kk e 0;kikfjd of) d साथ–साथ साँस्कृतिक आदान–प्रदान व एकजुटता में वृद्धि भाुरू हुई।

¼8½ rhlj egk;q) d Hk; ls efDr feyhA

¼9½ lu 1972 dh lkYV iFke lfU/k vkj 1979 dh ^lkYV f}rh; lfU/k* fnrkUr 0;ogkj d gh ifj.kke FkA

¼10½ गुटबन्दी में संलिप्त राश्ट्रों को पर्याप्त स्or=rk o yphykiu vk;k ftlls jktufrd lEcU/k स्थापित हुए एवं भालीन व्यवहार की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिला।

¼11½ 'वीटो' (निशेधाधिकार) प्रतिबन्धित हुआ एवं यू-,u-vk-, भालीन व गरिमामयी अन्तर्राश्ट्रीय मंच के :i e mHkju yxkA

fo"ोश रूप से उल्लेखनीय तथ्य है कि भीत युद्ध को 'दितान्त' अर्थात् तनाव भौथिल्य की fLFkfr e yku dk J; ^xV fuji{k vkUnksyu* dk gh gA yfdu xV fuji{krk vkj bldh iklfxdrk ij i"u fpUg ¼\½ Hkh gA

*** 'दितान्त' फ्रेंच भाशा का भाब्द है जिसका अर्थ हैः तनाव में f"kfFkyrk@vFkok nks jkT;ks के तनावपूर्ण सम्बन्धों की समाप्ति। अथवा अन्तर्राश्ट्रीय स्थितियों की नयी वास्तविकताओं ls le>krk g ;k fQj ^le>krkoknh :>ku dk nk;jk c<uk* gA**

orZeku ifjiz{; e ^xV fuji{k vkUnksyu* dh Hkfedk %

xVfuji{krk dh uhfr le; d lkFk vf/kdkf/kd lfØ; xfr"khy vkj 0;kogkfjd curh tk jgh gA ikjEHk e bl uhfr e ufrdrk vkj vkn"kokn dk iV vf/kd Fkk yfdu xV fuji{k n"k vc ;g vPNh rjg le>u yx g fd dkbZ Hkh uhfr rHkh lkFkd gk ldrh g tc mls ;FkkFkokn d /kjkry ij mrkjk tk;] vkj blе 0;kid ifjoru Hkh fd;k x;k vkj ,d lfØ; Hkfedk fo"o jktuhfr e fuHkku d dkj.k gh mld lnL;k dh l[;k e of) gk jgh g tlk fd io e cryk;k x;k g vkt bldh lnL; l[;k 118 g vkt xV fuji{krk dh Hkfedk fuEu {k=k e fn[kyk;h iM jgh g& ¼1½ u;h vUrjश्ट्रीय व्यवस्था की पुरजोर माँग करना, (2) आणविक नि"kL=hdj.k d fy; ncko Mkyuk] ¼3½ nf{k.k&nf{k.k lg;kx dk ikRlkgu nuk] ¼4½ ,d /koh; fo"o 0;oLFkk e vejhdh nknkxhjh dk fojk/k djuk] ¼5½ fodflr vkj fodkl"khy ¼mRrj&nf{k.k lokn½ n"kk d chp lkFkd okrk d fy; ncko Mkyuk] ¼6½ vPNh foRrh; fLFkfr oky xV fuji{k n"kk ¼tl vkid राश्ट्रों) को इस बात के लिये तैयार करना कि वे अपना अधि"ोश पि"peh n"kk dh cdk e tek dju d ctk; fodkl"khy n"kk e fodklkRed mnn";k d fy; bLreky dj] ¼7½ uo vkifuof"ाक भोशण का विरोध किया जाये, (8) संयुक्त राश्ट्र संघ के पुनxBu d fy; ncko Mkyk tk; जिससे बड़े राश्ट्र प्रस्तावित पुनxठन के लिये राजी हो सके अर्थात् उनके सुरक्षा परिशद में lnL;rk e i;kIr c<kRrjh dh tk ld rFkk egklHkk dk vf/kdkj fn; tk ldA

mDr ifjiz{; e xV fuji{krk dh miyfC/k;k@iHkkoh Hkfedk d fofHkUu :i fuEuor g&

¼d½ xV fuji{krk uhfr dk tk ,d uohu ldYiuk g(dk nkuk xVk }kjk ekU;rk inku djuk]

¼[k½ fo"व राजनीति के कतिपय संघर्शों के समाधान हk tkuk]

¼x½ भीत युद्ध को भास्त्र युद्ध में परिणित होने से रोकना,

¼?k½ fu"kL=hdj.k vkj vL=&fu;=.k dh fn" ा में भाान्ति का मार्ग प्र" ास्त एवं मानव प्रतिश्ठा o lekurk dh ikfIr dh fn"kk e IdkjkRed ifj.kke iklr gkuk]

¼³½ नवोदित कमजोर राश्ट्रों को स्वतंत्र वातावj.k e viuk vfLrRo cuk, j[ku d volj inku djuk]

¼p½ भीत युद्ध को 'दितान्त' की स्थिति में लाना,

¼N½ 'संयुक्त राश्ट्र संघ' के स्वरूप को रूपान्तरित करना,

¼t½ fodkdI" ील राश्ट्रों के मध्य आर्थिक सहयोग एवं तत्सम्बन्धित सokn dh cfuokn j[ku e IQy gkuk]

¼>½ Iu 1990 d n"kd d ckn ^xV fujis{k vkUnkyu* dk IEcU/k '5D' [fo%mifuo"khdj.k (Decolone Salion), fodkI (Development), तनाव भौथिल्य (Detente), fu"kL=hdj.k (Dis-armament) rFkk ykdrU=hdj.k (Democratisation)] fI)kUr I g vkj bId rgr gh ^xV fujis{k vkUnkyu* dk;"khy g(ftIdk fo"o jktuhfr ij v|ru iHkko ifjyf{kr gA

References/ IUnHkZ %

The Concise Oxford Dictionary, Oxford University Press, 1976, p. 587

" kek ih-Mh- ; अन्तरर्शिट्रीय राजनीतिः सिद्धान्त एवं व्यवहार, कॉलेज बुक डिपो, (त्रिपोलिया मार्ग) जयपुर, 2005, पृश्ठ 457

JhokLro ,u-d- (Hkkjr dh fon" k uhfr] IkfgR; Hkou idk" ान, आगरा, 1983, पृश्ठ 25

QkfM;k ch-,y- ; अन्तरर्शिट्रीय राजनीति सिद्धान्त एवं समकालीन मुद्दे, साहित्य भवन पब्लिकेसन्स, आगरा, 2008, पृश्ठ 4

George B.S. ; The Scope for Neutralism; Year Book of World Affairs, Hindsay Dummond Pub. (Pvt.Ltd.), London, (IIIrd) 2011, p. 233

QkfM;k ch-,y- ; पूर्वोक्त, साहित्य भवन पब्लिकेसन्स, आगरा, वर्श 2011, खण्ड–2, पृश्ठ 10–13

Rajan M.S. ; International Relations & Political Aliances, Kanishk Publishers and Distributors, New Delhi, 1996, p. 132-135

QkfM;k ch-,y- ; पूर्वोक्त, पृश्ठांकन 18–20